दैनिक हिन्दी /अंग्रेजी
टाइम्स एण्ड स्पेस
TIME AND SPACE
सूचना प्रकाशन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पंजीकृत संख्या UPBIL/26/A1515
कानपुर नगर से प्रकाशित - प्रतापगढ़, बांदा, बस्ती, गोरखपुर, संत कबीर नगर, हरदोई, राजस्थान आदि से प्रसारित।

संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य के लिए किया जागरूक'

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा विकास खंड शिवराजपुर के थाथी निवादा में किसानों को कृषि वैज्ञानिकों ने संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य पर किसानों को किया जागरूक किया।

किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, वैज्ञानिक डॉ. दीपक मिश्रा एवं डॉ.राजेश राय ने किसानों को बताया कि फसलों की अधिक उत्पादन क्षमता बनाए रखने के लिए मृदा की सेहत का अच्छा होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक खादों के समावेश तथा मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों के प्रबंधन पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि अनियंत्रित एवं असंतुलित उर्वरक प्रयोग से जहां लागत बढ़ती है, वहीं भूमि की उर्वरता भी धीरे–धीरे घटती जाती है। ऐसे में मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने साथ ही साथ हरी खाद, गोबर की खाद तथा अन्य जैविक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की सलाह दी। इस दौरान किसानों और ग्रामीण महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई तथा विभिन्न कृषि समस्याओं पर वैज्ञानिकों से चर्चा की। किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने के साथ–साथ लागत कम करने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ खेती की दिशा में प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक कमल किशोर कुशवाहा एवं ओमप्रकाश कुशवाहा सहित 30 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र
स्वतंत्र चेतना
उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित
MIC-II/CPM/004/KPHO/2022-24
₹3.00
www.swatantrachetnanews.com
गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

स्वतंत्र चेतना/ कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा विकास खंड शिवराजपुर के थाथी निवादा में किसानों को कृषि वैज्ञानिकों ने संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य पर किसानों को किया जागरूक किया। एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, वैज्ञानिक डॉ. दीपक मिश्रा एवं डॉ.राजेश राय ने किसानों को जागरूक करते हुए बताया कि फसलों की अधिक उत्पादन क्षमता बनाए रखने के लिए मृदा की सेहत का अच्छा होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक खादों के समावेश तथा मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों के प्रबंधन पर विशेष बल दिया।उन्होंने कहा कि अनियंत्रित एवं असंतुलित उर्वरक प्रयोग से जहां लागत बढ़ती है, वहीं भूमि की उर्वरता भी धीरे-धीरे घटती जाती है। ऐसे में मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने साथ ही साथ हरी खाद, गोबर की खाद तथा अन्य जैविक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की सलाह दी। इस दौरान किसानों और ग्रामीण महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई तथा विभिन्न कृषि समस्याओं पर वैज्ञानिकों से चर्चा की। किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ लागत कम करने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए।

उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य । अवेयरनेस प्रोग्राम

निष्पक्ष पोस्ट कानपुर डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा विकास खंड शिवराजपुर के थाथी निवादा में किसानों को कृषि वैज्ञानिकों ने संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य पर किसानों को किया जागरूक किया। एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, वैज्ञानिक डॉ. दीपक मिश्रा एवं डॉ.राजेश राय ने किसानों को जागरूक करते हुए बताया कि फसलों की अधिक उत्पादन क्षमता बनाए रखने के लिए मृदा की सेहत का अच्छा होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक खादों के समावेश तथा मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों के प्रबंधन पर विशेष बल दिया।उन्होंने कहा कि अनियंत्रित एवं असंतुलित उर्वरक प्रयोग से जहां लागत बढ़ती है, वहीं भूमि की उर्वरता भी धीरे-धीरे घटती जाती है। ऐसे में मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर ही उर्वरकों का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने साथ ही साथ हरी खाद, गोबर की खाद तथा अन्य जैविक संसाधनों के उपयोग को बढ़ावा देने की सलाह दी। इस दौरान किसानों और ग्रामीण महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई तथा विभिन्न कृषि समस्याओं पर वैज्ञानिकों से चर्चा की। किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ लागत कम करने के व्यावहारिक उपाय भी बताए गए। जागरूकता अभियान के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और टिकाऊ खेती की दिशा में प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रगतिशील कृषक कमल किशोर कुशवाहा एवं ओमप्रकाश कुशवाहा सहित 30 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज [illegible]

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

लखनऊ, वर्ष: 15, अंक: 123, पृष्ठ: 12, मूल्य: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शुक्रवार, 01 मई 2026 शक सम्वत् 1948, वैशाख

उर्वरकों के संतुलित उपयोग को किसानों को किया जागरूक

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के अधीन संचालित जाजपुर बंजारा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम जसमापुर में आयोजित विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत फसलों में संतुलित उर्वरकों के प्रयोग पर कृषक एवं कृषक महिलाओं को भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डा0 देवराज मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 विश्वजीत मंडल तथा वैज्ञानिक डा0 आशिक दत्ता के साथ-साथ कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों डा0 भूपेन्द्र कुमार सिंह-प्रभारी, डा0 महेन्द्र राजभर, डा0 जगदीश मिश्रा एवं डा0 दिव्या कौशिक ने संतुलित उर्वरकों का प्रयोग पर विभिन्न जानकारी देकर कृषकों को जागरूक किया। वैज्ञानिक डा0 देवराज मिश्श्रा जी ने भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाये रखने हेतु संतुलित उर्वरकों के उपयोग के साथ-साथ फसल चक में ग्रीस्मकालीन दलहनी फसलों जैसे-मूंग, उर्द का समावेश करने पर जोर दिया। वैज्ञानिक डा0 विश्वजीत मंडल ने बताया कि रसायनिक उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करने के साथ-साथ फसलोत्पादन हेतु अच्छी प्रजातियो का चयन कर बुवाई करें। वैज्ञानिक डा0 आशिक दत्ता ने बताया कि ऊसर भूमि को सुधारने के लिये जिप्सम के प्रयोग के साथ-साथ अच्छी प्रकार सड़ी हुयी गोबर की खाद एवं हरीखाद-दैचा का प्रयोग करने से मृदा का पी0एच0 कम हो जाता है साथ ही मृदा जांच के पश्चात ही विभिन्न फसलों में आवश्यकता के अनुसार की संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। केन्द्र के प्रभारी डा0 भूपेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आवश्यकता के ज्यादा रसायनिक उर्वरकों का प्रयोग करने से मृदा के स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सिटी इनसाइड | 2 ...की भूमि पर ... का जंगल खड़ा करने की कोशिश... | 3. बिजली सुधार को लेकर भाजपा प्रतिनिधि मंडल... | 5. शराब दुकान के विरुद्ध महिलाओं की जंग...

संपूर्ण मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं उत्तरप्रदेश में प्रसारित

www.samarthsahara.com

samarthsaharabhopal@gmail.com

भोपाल

शुक्रवार | 1 मई 2026 | वर्ष: 12, अंक: 366 | कुल पृष्ठ: 8 | मूल्य : 2.00

दैनिक समर्थ सहारा

सच को सच कहने का अदम्य साहस

तापमान (डिग्री सेल्सियस) अधिकतम न्यूनतम
भोपाल 41.0 28.0
ग्वालियर 42.1 23.2
इंदौर 40.0 28.0
जबलपुर 41.0 27.0
पेट्रोलियम कीमत पेट्रोल : 107.48 डीजल : 92.48
₹ कीमत

...क्षण

...री पहुंच
...न नोडल
...पित कर
...समस्याओं
..., जिससे
...बनी रहे।
विकास
सहित
अधिकारी

संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य के लिए किया जागरूक

कानपुर । सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा विकास खंड शिवराजपुर के थाथी निवादा में किसानों को कृषि वैज्ञानिकों ने संतुलित उर्वरक उपयोग और मृदा स्वास्थ्य पर किसानों को किया जागरूक किया। एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ खलील खान, वैज्ञानिक डॉ. दीपक मिश्रा एवं डॉ.राजेश राय ने किसानों को जागरूक करते हुए बताया कि फसलों की अधिक उत्पादन क्षमता बनाए रखने के लिए मृदा की सेहत का अच्छा होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग, जैविक खादों के समावेश तथा मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्वों के प्रबंधन पर विशेष बल दिया।उन्होंने कहा कि अनियंत्रित एवं असंतुलित उर्वरक प्रयोग से जहां लागत बढ़ती है, वहीं भूमि की उर्वरता भी धीरे-धीरे घटती जाती है।

सर... कर...

समर्थ सह...

लखनऊ। (30 ... अतिक्रमण... अभियान ... की टीम ने 3.5 करो... जमीन को कराया।

यह अ... कुमार के ... आयुक्त मार्गदर्शन ...

सबसे गाटा संख... 0.506 हे... लोगों ने ब... करने की मौके पर प... अवैध निम... जमीन की रुपये बता...

इसके ...